हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, शनिवार, 8 मार्च 2025

09 बागवानी की स्कीमों के लिए मेरी फसल मेरा ब्योरा पोर्टल पर...

10 नागरिक अस्पताल में नहीं है एंटी रेबीज के इंजेक्शन...

महेंद्रगढ़। हकेंवि भवन। फोटो: हरिभूमि

चबूतरे पर धार्मिक स्थल बनता देख गोरक्षा दल ने रूकवाया कार्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नागरिक अस्पताल परिसर में पक्षियों के लिए बने चबूतरे पर धार्मिक स्थल का निर्माण करने को लेकर शुक्रवार विवाद हो गया। गो रक्षा दल से जुड़े लोग मौके पर पहुंचे और निर्माण कार्य के तौर पर लगाई जा रही टीन शेड के काम को रूकवा दिया। दूसरे पक्ष ने भी कोई एतराज किए बिना काम को बंद कर दिया। मौके पर पुलिस भी पहुंची। यहां आए गौ रक्षक दल से प्रभाष छक्कड़, मुकेश शर्मा, संजय अमन ने बताया कि नागरिक अस्पताल परिसर में पुराना चबूतरा है। इसमें पानी की कुंडी भी बनी हुई है। स्वास्थ्य कर्मियों के क्वार्टर भी यहां बने है। आस पास के लोग बरसों से यहां पर इस चबूतरे पर पक्षियों के लिए दाना डालते है और कुंडी में पक्षियों के लिए पानी भरते है।

आज सुबह पता चला कि एक समुदाय के जुड़े लोगों ने इसे अपना धार्मिक स्थल बनाने का प्रयास किया। ऊपर लोहे की टीन शेड लगाने का काम शुरू किया हुआ था। हम यहां पहुंचे और इस अवैध काम को बंद करवाया। उन्होंने चेताया है कि चबूतरे को चबूतरा ही रहने दो, दूसरे का दखल किसी भी सूरत में बर्दास्त नहीं किया जाएगा। इस मामले की सूचना मिलने पर सिटी पुलिस भी मौके पर पहुंची और विवाद की आशंका को देखते हुए दूसरे पक्ष से जुड़े लोगों को कार्य बंद रखने को कहा गया। इस पर दूसरा पक्ष मान भी गया और कार्य को बंद कर दिया।

हकेंवि का 11वां दीक्षांत समारोह आज

■ महिला दिवस के अवसर पर प्रो. नीलिमा गुप्ता 1426 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को प्रदान करेंगी डिग्रियां

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय का 11वां दीक्षांत समारोह शनिवार को आयोजित होने जा रहा है। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयोजित दीक्षांत समारोह में डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता मुख्यातिथि व हरियाणा लोक सेवा आयोग की सदस्य ममता यादव की विशिष्ट अतिथि के रूप में गरिमामयी उपस्थिति रहेगी। पिडिलाइट इंडस्ट्रीज लिमिटेड के निखिल माथुर भी विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएंगे। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि इस दीक्षांत समारोह में 1426 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को पीएचडी, स्नातक व स्नातकोत्तर की डिग्री प्रदान की जाएगी। कुलपति ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयोजित हो रहे विश्वविद्यालय के 11वें दीक्षांत समारोह में 1426 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को डिग्रियां प्रदान की जाएगी। इनमें 647 छात्राएं हैं। विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक के अनुसार दीक्षांत समारोह में 45 को पीएचडी, 811 को स्नातकोत्तर, 570 को स्नातक डिग्रियां प्रदान की जाएगी। साथ ही उल्लेखनीय प्रदर्शन के लिए 49 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक प्रदान किए जाएंगे।

नारनौल, महेंद्रगढ़ व कनीना में राष्ट्रीय लोक अदालत आज

नारनौल। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण व हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के दिशा निर्देशानुसार आठ मार्च को नारनौल, महेंद्रगढ़ व कनीना में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी शैलजा गुप्ता ने बताया कि जिले में राष्ट्रीय लोक अदालत में केसों की सुनवाई के लिए पांच बेंचों का गठन किया गया है। नारनौल में राष्ट्रीय लोक अदालत में केसों की सुनवाई के लिए तीन तथा महेंद्रगढ़ में एक व कनीना में एक बैंच का गठन किया गया है। उन्होंने बताया कि नारनौल में अतिरिक्त एवं जिला सत्र न्यायाधीश योगेश चौधरी, ललिता पटवर्धन व सिविल जज भुवनेश सैनी केसों की सुनवाई करेंगे। इसी प्रकार महेंद्रगढ़ में सिविल जज प्रदीप कुमार व कनीना में सिविल जज प्रवीन कुमार लोक अदालत में केसों की सुनवाई करेंगे।

गाय सीढ़ियां चढ़ तो सकती है, लेकिन उसे उतरने में काफी परेशानी होती है।

चींटी एक ऐसा जीव है जिसके पास फेफड़े नहीं होते इसीलिए वह सो नहीं सकती है।

चीफ टेक्नोलॉजी ऑफिसर का पद शानदार, बनाएं करियर

नॉलेज

यंगभूमि डेस्क

चीफ टेक्नोलॉजी ऑफिसर एक महत्वपूर्ण पद होता है, जो आज के समय में काफी ज्यादा डिमांड में रहता है। आज का समय टेक्नोलॉजी का युग माना जाता है। ऐसी स्थिति में टेक्नोलॉजी के माध्यम से किसी भी कार्य को अधिक आसानी से किया जाता है। आपकी जानकारी के लिए बता देते हैं कि वर्तमान समय में हर तरह की कंपनियां व्यवसाय को इस पद पर कार्यरत लोगों की मांग होती है क्योंकि आज के समय में अधिकांश कार्य ऑनलाइन माध्यम से किए जाते हैं। जो कार्य ऑफलाइन माध्यम से होते हैं, उन्हें भी मैनेज करने के लिए तथा व्यापार को बढ़ाने के लिए टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करना होता है।

काफी ज्यादा मांग

चीफ टेक्नोलॉजी ऑफिसर एक महत्वपूर्ण पद होता है, जो आज के समय में काफी ज्यादा डिमांड में रहता है। आपकी जानकारी के लिए बता देते हैं कि वर्तमान समय में हर तरह की कंपनियां व्यवसाय को इस पद पर कार्यरत लोगों की मांग होती है क्योंकि आज के समय में अधिकांश कार्य ऑनलाइन माध्यम से किए जाते हैं। जो कार्य ऑफलाइन माध्यम से होते हैं, उन्हें भी मैनेज करने के लिए तथा व्यापार को बढ़ाने के लिए टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करना होता है। आज का समय टेक्नोलॉजी का युग माना जाता है। ऐसी स्थिति में टेक्नोलॉजी के माध्यम से किसी भी कार्य को अधिक आसानी से किया जाता है। यहां मुख्य अधिकारी कंपनी के अंतर्गत सभी तरह के तकनीकी संसाधनों का प्रबंधन करता है उसका मूल्यांकन करता है तथा कंपनी का राजस्व अधिक बढ़ाने के लिए जरूरी हर तरह के टेक्नोलॉजी से संबंधित उपकरण उपलब्ध कराता है और उन पर अपनी निगरानी में तथा अपनी जिम्मेदारी से काम करके कंपनी को मदद पहुंचाता है। कंपनी के लिए उपयुक्त तथा उपयोगी हर तरह की टेक्नोलॉजी का लेखा जोखा और उसकी देखरेख मुख्य अधिकारी के अंतर्गत आती है। टेक्नोलॉजी की मदद से कंपनी को आसान तरीके से चलाने का कार्य भी मुख्य तकनीकी अधिकारी का होता है।

करने होते ये काम

- चीफ टेक्नोलॉजी ऑफिसर अपनी सूझबूझ से कंपनी के कार्य को अच्छी तरह से फैलाता है तथा कंपनी के मुख्य अधिकारियों को कंपनी को विकसित करने तथा अधिक मुनाफा प्राप्त करने में टेक्नोलॉजी के जरिए मदद करता है। चीफ टेक्नोलॉजी ऑफीसर अपनी जिम्मेदारी से कंपनी के अंतर्गत होने वाले टेक्नोलॉजी से संबंधित कार्य को संपन्न करवाता है और टेक्नोलॉजी के सेक्टर से संबंधित कंपनी को हर तरह का सहयोग उपलब्ध कराता है। चीफ टेक्नोलॉजी ऑफिसर कंपनी के अंतर्गत होने वाले सभी टेक्नोलॉजी से संबंधित कार्यों की रिपोर्ट कंपनी के मुख्य अधिकारियों को समय-समय पर सौंपता है।
- मुख्य तकनीकी अधिकारी अपनी सूझबूझ से आईटी परियोजनाओं को मार्केट में पहुंचाने का कार्य करता है।
- चीफ टेक्नोलॉजी ऑफीसर कंपनी का सभी महत्वपूर्ण और जरूरी डाटा सुरक्षित रखता है।
- कंपनी के लिए जरूरी डाटा को सुरक्षित रखकर उसका प्रबंध करता है।
- मुख्य तकनीकी अधिकारी अपने अनुभव के आधार पर टेक्नोलॉजी की मदद से कंपनी और ग्राहक के बीच बेहतरीन संबंध स्थापित करता है।
- तकनीकी के नए-नए तरीकों से कंपनी के द्वारा विभिन्न प्रकार की समस्या का निवारण किया जाता है।
- तकनीकी की मदद से अत्याधुनिक तरीके से निवेश किया जाता है।
- कंपनी का राजस्व बढ़ाने के लिए मुख्य तकनीकी अधिकारी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
- कंपनी के लिए उपयोगी उपकरण हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर इत्यादि का संरक्षण और उपयोग सुनिश्चित करता है।

जरूरी योग्यताएं

- सीटीओ बनने के लिए विद्यार्थी को सबसे पहले 12वीं कक्षा उत्तीर्ण करनी होगी।
- 12वीं कक्षा उत्तीर्ण करने के बाद विद्यार्थी कंप्यूटर विज्ञान के क्षेत्र में स्नातक की डिग्री हासिल करना अनिवार्य है।

तनख्वाह

किसी भी कंपनी या व्यवसाय के अंतर्गत आने वाले सीटीओ की सैलरी इस बात पर निर्भर करती है कि वह अधिकारी दुनिया के किस देश में तथा किस प्रकार की कंपनी में काम करता है क्योंकि आमतौर पर बड़ी-बड़ी अमेरिकी कंपनियों में पूरी दुनिया के मुकाबले अतिरिक्त भुगतान किया जाता है। भारत में भी बड़ी-बड़ी कंपनियां मुख्य तकनीकी अधिकारियों को अच्छा वेतन प्रदान करती है। आमतौर पर भारत में चीफ टेक्नोलॉजी ऑफीसर को प्रतिवर्ष 20,00,000 रुपए से लेकर 30 लाख रुपए के अंतराल में दिए जाते हैं। इसके अलावा अधिकारी के अनुभव और कंपनी के ऊपर सैलरी निर्भर करती है।

कैसे बने सीटीओ

चीफ टेक्नोलॉजी ऑफीसर बनने के लिए आपको शुरुआत से ही विज्ञान विषय से संबंधित अध्ययन करना चाहिए और इसी फील्ड में आगे बढ़ना चाहिए अगर आप चीफ टेक्नॉलाजी ऑफिसर बनना चाहते हैं, तो सबसे पहले आपको कंप्यूटर विज्ञान की फील्ड में स्नातक की डिग्री हासिल करनी होगी। ऐसा करने से आपके पास टेक्नोलॉजी से संबंधित महत्वपूर्ण ज्ञान आ जाएगा, जिसके आधार पर आप और अधिक गहराई से अध्ययन कर सकते हैं। आमतौर पर बड़ी-बड़ी कंपनियां सीटीओ के पद पर ऐसे अधिकारियों की नियुक्ति करती हैं जिन्हें पहले से ही कुछ एक्सपीरियंस हो ऐसी स्थिति में आप शुरुआती समय में छोटी कंपनियों में कार्य कर सकते हैं, जिससे समय के अनुसार आपका एक्सपीरियंस बढ़ता रहेगा।

आधुनिक तकनीक अपनाकर कृषि क्षेत्र से भी की जा सकती है अच्छी आमदनी

भारत में एग्रीकल्चर एक बहुत बड़ा क्षेत्र नौकरी के लिए भी अच्छा करियर विकल्प

जॉब ट्रेंड्स

करियर डेस्क

एग्रीकल्चर का अर्थ होता है कृषि। भारत एक कृषि प्रधान देश है क्योंकि युगों युगों से भारत की अर्थव्यवस्था कृषि पर आधारित है। खेती से ही भारत अपना जीवन यापन करता है। देश की अर्थव्यवस्था में खेती का बहुत बड़ा योगदान है। इसीलिए आप एग्रीकल्चर के क्षेत्र में अपना करियर बना सकते हैं। अगर आपने यह सोचा है कि हम आपको खेती करने की सलाह दे रहे हैं, तो यह बिल्कुल गलत है क्योंकि वर्तमान समय में एग्रीकल्चर के रूप में विभिन्न पदों पर कार्यरत होकर आप एक बेहतरीन करियर विकल्प सुन सकते हैं। आज के समय में हमें ऐसी अनेक सारी खबरें देखने को मिलती है जिसमें विदेशों से लोग वापस लौट कर खेती करते हैं और करोड़ों रुपये कमा लेते हैं। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि वह लोग इतने सारे पैसे कैसे कमाते हैं। बता रहे हैं कि वर्तमान समय में खेती से संबंधित विभिन्न प्रकार की खेती की पद्धति प्रक्रिया सामने आई है। विशेष रुप से इजराइल की खेती प्रक्रिया से देश में बड़े पैमाने पर खेती की जा रही है। इजराइल खेती प्रक्रिया के अनुसार कम जमीन में और कम समय में लाखों रुपये की कमाई होती है। यही वजह है कि विदेशों में लोग बड़ी-बड़ी नौकरियां छोड़कर अपने देश लौटकर यहां पर खेती करके लाखों और करोड़ों रुपये कमा रहे हैं। जैसा कि आपको पता ही है कि वर्तमान समय में काम करने के प्रत्येक तरीकों में बदलाव आ चुका है। इसी प्रकार का बदलाव खेती के क्षेत्र में भी आ चुका है। आज के समय में एग्रीकल्चर एक बहुत बड़ा क्षेत्र बन चुका है। जहां पर लोग नौकरी करके एक बेहतरीन करियर विकल्प देखते हैं।

अर्थव्यवस्था में बहुत बड़ा योगदान

कैसे करे एग्रीकल्चर की पढ़ाई

एग्रीकल्चर में करियर बनाने के लिए आपको विभिन्न प्रकार के कोर्स करने होते है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि वर्तमान समय में एग्रीकल्चर का क्षेत्र बहुत बड़ा है। इसीलिए इसमें आपको विभिन्न प्रकार के नौकरियां करनी होती है विभिन्न प्रकार के पदों पर कार्य करके आप अपना एक बेहतरीन करियर विकल्प चुन सकते हैं। एग्रीकल्चर के सत्र में विभिन्न प्रकार की डिग्रियां उपलब्ध कराई जाती है, जिनमें बेचलर, डिप्लोमा , मास्टर्स इत्यादि शामिल हैं। तो आइए एग्रीकल्चर के क्षेत्र में आने वाले कोर्स के बारे में भी आपको बताते हैं।

आधुनिक कृषि के प्रकार

आज का समय बदल चुका है लगभग प्रत्येक कार्य को आधुनिक तरीके से किया जा रहा है जिसमें इंटरनेट और टेक्नोलॉजी का बहुत बड़ा योगदान है। इसी जगह जी के आधार पर तथा वैज्ञानिकों के सहारे पर अत्याधुनिक तरीके से खेती की जा रही है, जिसमें कम समय में कम जगह पर कार कंपनी से मोटा मुनाफा कमाया जाता है और बड़े पैमाने पर फसल का उत्पादन किया जाता है। इसमें कृषि इंजीनियर पता भारतीय प्रौद्योगिकी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। तो आइए जानते हैं कि अत्याधुनिक तरीके से आधुनिक कृषि के प्रकार कौन-कौन से हैं?

कृषि इंजीनियरिंग

कृषि के क्षेत्र में भी इंजीनियर की पद्धति शुरू हो चुकी है। बता दें कि कृषि इंजीनियरिंग की मदद से ऐसे विशेष उपकरण तथा मशीनरी बनाई गई है जो कम समय में और कम जमीन पर लाखों रुपये की कमाई वाली फसलों को तैयार करता है। बता दें कि कृषि इंजीनियरिंग के तहत जल की निकासी सिंचाई ग्रामीण बिजली ग्रामीण रचनाएं मिट्टी का संरक्षण तथा कृषि के उपकरण इत्यादि विकल्प शामिल है। कृषि इंजीनियरिंग के अंतर्गत कृषि गतिविधियों को देखा जाता है। कृषि उपकरण कृषि मशीनों का निर्माण की प्रक्रिया जाता है तथा बेहतरीन ढंग से कार्य करवाया जाता है।

एग्रीकल्चर क्षेत्र के कोर्स

- मास्टर ऑफ साइंस इन एग्रीकल्चर
- मास्टर ऑफ साइंस इन एग्रीकल्चर बॉटनी
- बीटेक इन एग्रीकल्चर
- डिप्लोमा इन एग्रीकल्चर एंड अलाइड प्रेक्टिसस
- डिप्लोमा इन एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग
- बैचरल ऑफ साइंस इन एग्रीकल्चर
- बैचलर ऑफ साइंस आनर्स
- मास्टर ऑफ साइंस इन बायोलॉजिकल साइंस
- डिप्लोमा इन एग्रीकल्चर

करियर विकल्प

एग्रीकल्चर की महत्वता को जानते हुए भारत सरकार और राज्य सरकार द्वारा केंद्र से लेकर ग्रामीण स्तर तक विभिन्न प्रकार के एग्रीकल्चर से संबंधित पद जारी किए गए हैं। आप अपनी शिक्षा और अनुभव के आधार पर विभिन्न एग्रीकल्चर के कार्यों पर कार्यरत रह सकते हैं। आर्टिकल में बताए गए सभी प्रकार के कृषि क्षेत्रों से संबंधित करियर विकल्प विस्तार से जानते हैं।

कृषि इंजीनियरिंग में करियर

कृषि इंजीनियरिंग के सत्र में शिक्षा प्राप्त करने के बाद आप कृषि से संबंधित मशीनरी और कृषि शिक्षा पद्धति को अपने अनुसार नया रूप दे सकते हैं। डिजाइन करवा सकते हैं, कंपनियों में काम कर सकते हैं या कृषि अनुसंधान केंद्र में विकास के नए नए उपयोग कर सकते हैं।

अर्थशास्त्र में करियर: कृषि अर्थशास्त्र के क्षेत्र में बेहतरीन करियर विकल्प देखने को मिलता है क्योंकि यहां पर आज के समय में किसानों को खेती करने के लिए ऋण लेना होता है। इसके अलावा कृषि अनुसंधान और कृषि अर्थशास्त्र के रूप में बाजार के रुझानों को जागना होता है।

कृषि विज्ञान में करियर के अवसर

एग्रीकल्चर के क्षेत्र में करियर बनाने के लिए आप कृषि विज्ञान का क्षेत्र चुन सकते हैं क्योंकि इसमें मुख्य रूप से मिट्टी से संबंधित रिसर्च की जाती है, जिसमें मिट्टी के अनुसार हवा और पानी तथा समय के अनुसार कौन-कौन सी फसलें होगी तथा किस प्रकार से उन्हें उगाना है? और कौन-कौन से खाद एवं उर्वरक तथा कीटनाशक का उपयोग करना है। इस बारे में जानकारी दी जाती है।

बागवानी

आज के समय में लाखों की संख्या में लोग बागवानी के शौकीन हैं। बागवानी के अंतर्गत विदेशी फूलों वाले पेड़ न, विदेशी पेड़, विभिन्न प्रकार के बाग बगीचे, खूबसूरत पुराने पेड़ पौधे लगाए जाते हैं। पेड़ पौधों को बड़ा करने के लिए और हमेशा स्वस्थ रखने के लिए विभिन्न प्रकार की जड़ी बूटियां दवाइयां दी जाती है। तथा उनकी देखभाल की जाती है इसके लिए विशेष प्रकार की कृषि विज्ञान की पढ़ाई करवाई जाती हैं।

वर्तमान समय में भारत में बागवानी के शौकीन बड़ी मात्रा में देखने के लिए मिल जाते हैं। विशेष रुप से अमीर लोग अपने फार्म हाउस पर बागवानी लगाते हैं। इसीलिए उन्हें बड़े पैमाने पर कृषि वैज्ञानिक की भी आवश्यकता पड़ती है।

बागवानी के लिए शीर्ष संस्थान

- आचार्य एनजी रंगा कृषि विश्वविद्यालय, हैदराबाद
- तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय, कोयंबटूर
- महात्मा फुले कृषि विद्यापीठ, पुणे
- पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना
- गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर

कृषि अर्थशास्त्र

अत्याधुनिक तरीके से कृषि करने के लिए विभिन्न प्रकार के अर्थशास्त्र के सिद्धांतों का उपयोग किया जाता है, जिसके आधार पर व्यापार और कृषि वस्तुओं का उत्पादन विभिन्न प्रकार के तरीके, कृषि उत्पादों की मांग, आपूर्ति, कृषि से संबंधित मदद, कृषि क्षेत्र में विशेषज्ञों का अनुभव तथा फसल, विज्ञान नीति, विश्लेषण, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, व्यापार, कृषि के उत्पादन आयात निर्यात कृषि क्षेत्र में पशुधन कृषि अर्थशास्त्र के रूप से नीति विश्लेषण, कृषि ऋण विश्लेषण, कृषि व्यवसाय इत्यादि कृषि के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

शीर्ष संस्थान : कृषि अर्थशास्त्र क्षेत्र में कोर्स करवाने वाले भारत के शिक्षण संस्थान निम्नलिखित हैं –

- चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर
- महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर
- भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली

कृषि विज्ञान

कृषि विज्ञान अत्याधुनिक समय की कृषि के क्षेत्र में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है क्योंकि इसमें वैज्ञानिक दृष्टिकोण से कृषि से संबंधित प्रत्येक छोटी-बड़ी विषय वस्तु को जांच के आधार पर परखा जाता है, जिसमें विशेष रूप से मिट्टी का अध्ययन किया जाता है। मिट्टी के अनुसार पानी, फसल, खाद, बीज, उर्वरता, हवा, नमी, कीड़े, कीटनाशक इत्यादि के आधार पर फसल का रंग रूप तैयार किया जाता है। सबसे पहले मिट्टी की जांच करके यह देखा जाता है, किस मिट्टी में तथा संबंधित पानी में यहां के वातावरण के अनुसार कौन-कौन सी फसल हो सकती है? कौन से समय हो सकती है तथा उसके लिए कितना पानी लगेगा और किस प्रकार से कीटनाशक का उपयोग करना है। इत्यादि सभी महत्वपूर्ण जानकारी कृषि विज्ञान के क्षेत्र से संबंधित हासिल की जाती है।

शीर्ष संस्थान : एग्रीकल्चर के सत्र में आप करियर बनाना चाहते हैं, तो कृषि विज्ञान का सत्र अवश्य चुनें, क्योंकि यहां पर आपको बेहतरीन और विभिन्न प्रकार के कृषि विज्ञान से संबंधित करियर विकल्प देखने को मिलेंगे। भारत में कृषि विज्ञान की शिक्षा दिलाने वाले निम्नलिखित शिक्षण संस्थान है–

- तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय, कोयंबटूर
- आचार्य एनजी रंगा कृषि विश्वविद्यालय, हैदराबाद
- महात्मा फुले कृषि विद्यापीठ, पुणे
- पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना

बागवानी के क्षेत्र में करियर के अवसर

बागवानी के सत्र में आप एक बेहतरीन करियर विकल्प चुन सकते हैं। इसके लिए फूलों की खेती अंगूर की खेती फलों की खेती सब्जियों की खेती खुशबूदार फूलों को गाना उसका शोषण करना समय समय पर खाद उर्वरक कीटनाशक का उपयोग करना तथा किस प्रकार से आयात निर्यात करना है। इत्यादि इस प्रकार से बागवानी के क्षेत्र में बेहतरीन करियर विकल्प चुन सकते हैं।

परीक्षा का डर स्वाभाविक, यह जीवन के विशाल कैनवास पर एक छोटा-सा पड़ाव

मोटिवेशनल

डॉ. दिव्या तंवर

परीक्षा के दौरान डर और चिंता का अनुभव करना स्वाभाविक है, लेकिन यह समय जीवन के विशाल कैनवास पर एक छोटा-सा पड़ाव मात्र है। तनाव, शरीर की प्राकृतिक प्रतिक्रिया है जो हमें चुनौतियों के लिए तैयार करता है, पर लंबे समय तक रहने पर यह नींद और आत्मविश्वास को कमजोर कर देता है। इसे प्रबंधित करने के लिए योग, प्राणायाम, या 5-4-3-2-1 तकनीक जैसे व्यावहारिक उपाय अपनाए जा सकते हैं। गीता का सिद्धांत-कर्म करो, फल की इच्छा मत करो-हमें तैयारी पर ध्यान केंद्रित करने की याद दिलाता है। परिणामों को जीवन की मंज़िल न समझें। टॉम क्रूज़, ओप्राह विन्फ्रे, या डॉ. कलाम जैसे उदाहरण साबित करते हैं कि अंक व्यक्ति की क्षमताओं को परिभाषित नहीं करते।

अर्जुन की तरह अपने लक्ष्य पर फोकस रखें

भारत में रतन टाटा या मैरी कॉम जैसी प्रेरणाएं दिखाती हैं कि सफलता के रास्ते अनेक हैं। नेशनल स्किल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन जैसे संस्थान बिना डिग्री के भी रोज़गार के अवसर प्रदान करते हैं। हर व्यक्ति की प्रतिभा अद्वितीय होती है। हावर्ड गार्डनर के मल्टीपल इंटेलिजेंस थ्योरी के अनुसार, संगीत, शारीरिक कौशल, या सामाजिक बुद्धिमत्ता जैसे गुण भी सफलता की नींव रखते हैं। शौक, इंटर्नशिप, या ऑनलाइन कोर्सेज के माध्यम से इन्हें निखारा जा सकता है। स्वामी विवेकानंद का संदेश-उठो, जागो, और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो-हमें आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। तनाव मुक्ति के लिए समय प्रबंधन, डायरी लेखन, या सहायता माँगना जैसे कदम उपयोगी हैं। पोमोडोरो तकनीक या प्राथमिकता सूची बनाकर पढ़ाई को प्रभावी बनाया जा सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखते हुए 7-8 घंटे की नींद, पौष्टिक आहार, और शारीरिक गतिविधियां तनाव कम करने में मददगार हैं। समाज के दबाव को समझते हुए भी अपनी सीमाएं तय करें। माता-पिता से खुलकर बात करें और अपनी योजनाओं को साझा करें। परिणाम के बाद भी जीवन नए रास्ते खोलता है-गैप ईयर, कौशल विकास, या वैकल्पिक शिक्षा संस्थानों के माध्यम से नए लक्ष्य बनाए जा सकते हैं। महाभारत के अर्जुन की तरह, अपने लक्ष्य पर फोकस रखें और शोर को अनदेखा करें। याद रखें, परीक्षाएं आपकी मेहनत को मापती हैं, मगर आपकी मानवता या सपनों को नहीं। एक परिणाम आपके हौसलों का अंत नहीं है। जैसे एक फसल खराब होने पर किसान खेती नहीं छोड़ता, वैसे ही आप भी आगे बढ़ते रहें। अटल जी के शब्दों में-तू न थकेगा कभी, तू न रुकेगा कभी...-यही जीवन की अनंत यात्रा का सार है।

नए अवसर हमेशा मौजूद रहते

1. **मेहनत बनाम पहचान:** परीक्षाएं व्यक्ति की मेहनत और तैयारी का आकलन करती हैं, लेकिन वे उसकी मानवीय मूल्यों (जैसे दया, ईमानदारी) या सपनों की ऊंचाई को परिभाषित नहीं कर सकतीं।
2. **एक परिणाम, अंत नहीं :** किसी एक परीक्षा का नतीजा आपके हौसलों या संभावनाओं का अंतिम फैसला नहीं है। जीवन में नए अवसर और रास्ते हमेशा मौजूद रहते हैं।
3. **किसान का दृष्टांत:** जिस तरह एक बार फसल खराब होने पर किसान खेती नहीं छोड़ता, वैसे ही विद्यार्थी को भी लगातार प्रयास जारी रखना चाहिए। असफलता सीखने का हिस्सा है।
4. **अटल जी का प्रेरक संदेश:** 'तू न थकेगा कभी, तू न रुकेगा कभी...' -यह पंक्ति जीवन को एक अनवरत यात्रा मानने और चुनौतियों से लड़ने की प्रेरणा देती है।
5. **जीवन की विशालता:** परीक्षा परिणाम जीवन के एक पृष्ठ जितना महत्व रखता है, पूरी पुस्तक नहीं। सफलता के लिए धैर्य और लचीलापन ज़रूरी है।
6. **सपनों की उड़ान:** अंक या ग्रेड आपके सपनों की उड़ान को सीमित नहीं कर सकते। इतिहास गवाह है कि कई महान हस्तियों ने औपचारिक शिक्षा के बिना भी असाधारण उपलब्धियाँ हासिल कीं।

परीक्षाएं जीवन का एक छोटा चैप्टर हैं, जिन्हें समग्रता में देखना चाहिए। असफलता या सफलता से आगे बढ़ने का साहस ही वास्तविक जीत है।

सामान्य ज्ञान

1. हिंदी किस भाषा परिवार की भाषा है
(ए) भारोपीय
(बी) द्रविड़
(सी) आस्ट्रिक
(डी) चीनी-तिब्बती

2. भारत में सबसे अधिक बोले जाने वाली भाषा कौन सी है
(ए) हिंदी
(बी) संस्कृत
(सी) तमिल
(डी) उर्दू

3. हिंदी भाषा का जन्म हुआ है
(ए) अपभ्रंश से
(बी) लौकिक संस्क्रत से
(सी) पालि-प्राकृत से
(डी) वैदिक संस्कृत से

4. निम्न में से कौन सी बोली अथवा भाषा हिंदी के अंतगर्त नहीं आती है
(ए) कन्नौजी
(बी) बांगरू
(सी) अवधी
(डी) तेलुगु

5. हिंदी की विशिष्ट बोली ब्रजभाषा किस रूप में सबसे अधिक प्रसिद्ध है
(ए) राजभाषा
(बी) तकनीकी भाषा
(सी) राष्ट्रभाषा
(डी) काव्यभाषा

6. भारतवर्ष में हिंदी को आप किस वर्ग में रखेंगे
(ए) राजभाषा
(बी) राष्ट्र भाषा
(सी) विभाषा
(डी) तकनीकी भाषा

7. ढूढाली बोली है
(ए) पश्चिमी राजस्थान की
(बी) पूर्वी राजस्थान की
(सी) दक्षिणी राजस्थान की
(डी) उतरी राजस्थान की

8. ब्रजबुली नाम से जानी जाती है
(ए) पंजाबी
(बी) मराठी
(सी) गुजराती
(डी) पुरानी बांग्ला

उत्तर 1.(ए) 2.(ए) 3.(ए) 4.(डी) 5.(डी) 6.(ए) 7.(बी) 8.(डी)

खबर संक्षेप

कनीना। स्ट्रॉन्ग रूम को देखते सहायक निर्वाचन अधिकारी दलबीर सिंह दुग्गल।

स्ट्रॉन्ग रूम का किया निरीक्षण

कनीना। नगर पालिका के सहायक निर्वाचन अधिकारी नायब तहसीलदार दलबीर सिंह दुग्गल ने शुक्रवार को राजकीय मॉडल संस्कृति स्कूल में बनाए गए स्ट्रॉन्ग रूम का निरीक्षण किया और सुरक्षा में तैनात अधिकारियों को उचित निर्देश दिए। मतगणना 12 मार्च को होगी। जिसके लिए मतदान उपरांत पोलिंग मशीन स्ट्रॉन्ग रूम में रखी गई है। जहां पर दिन रात सुरक्षा व्यवस्था की गई है व सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए हैं।

यदुवंशी स्कूल करियर कांउसलिंग कल

नारनौल। यदुवंशी शिक्षा निकेतन में करियर कांउसलिंग व होली स्नेह मिलन समारोह का आयोजन नौ मार्च को किया जाएगा। जिसमें मुख्यातिथि संस्था के चेयरमैन राव बहादुर सिंह रहेंगे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को उनके भविष्य के करियर विकल्पों के बारे में जानकारी प्रदान करना है। कार्यक्रम के लिए विशेषज्ञ करियर काउंसलर्स नियुक्त किए हुए हैं।

मंडी अटेली। जैतपुर गांव का श्याम मंदिर, जहां पहुंच रहे श्रद्धालु।

लाखों श्रद्धालुओं ने मत्था टेक मांगी मन्नतें

मंडी अटेली। अटेली क्षेत्र से सटे राजस्थान कोटपूतली बहरोड़ जिले के प्राचीन धर्म स्थान श्याम बाबा मंदिर जैतपुर धाम में फाल्गुन माह में श्री श्याम मेला बड़े ही जोरशोर से भरता है। मंदिर के पुजारी विकास ने बताया कि अबकी बार मुख्य मेला आठ मार्च से को 11 मार्च तक भरेगा, जिसमें से देशभर से लाखों श्रद्धालु बाबा के दर्शन कर मन्नतें मांगते हैं।

अंतर राष्ट्रीय महिला दिवस : लिंगानुपात में सुधार होने पर प्रदेश में चार जिला चयनित, इनमें महेंद्रगढ़ जिला दूसरे नंबर पर

बनारसी देवी अब तक 300 से अधिक महिलाओं को दे चुकी है रोजगार, समाजसेवा से बनाई विशेष पहचान

छात्रा नैन्सी को गर्ल्स चाइल्ड अवार्ड, सुषमा स्वराज अवार्ड से बनारसी होगी सीएम से सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल/कनीना

महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर पंचकूला में शनिवार को प्रदेशस्तरीय समारोह होगा। इसमें मुख्यमंत्री नाराब सिंह सैनी विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाली प्रदेश भर में चिन्हित की गई महिलाओं को सम्मानित करेंगे। इस लिस्ट में महेंद्रगढ़ जिला की एक छात्रा नैन्सी को गर्ल्स चाइल्ड अवार्ड और बनारसी देवी को सुषमा स्वराज अवार्ड से मुख्यमंत्री सम्मानित करेंगे।

यहीं नहीं, महेंद्रगढ़ जिला में लिंगानुपात सुधार होने (2023 से 24 में 869 था, इसके बाद साल 2024 से 25 में यह 902) पर जिला प्रशासन को सम्मानित किया जाएगा। प्रदेश में लिंगानुपात सुधार को लेकर ऐसे चार जिलों को चिन्हित किया है, इनमें महेंद्रगढ़ जिला दूसरे नंबर पर रहा है।

जापान तक पहुंची बाजरे के लड्डू की मिठास : कनीना। खंड के गांव बवानिया निवासी महिला बनारसी देवी को सुषमा स्वराज पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। उनको समाजसेवा विशेषकर महिलाओं के रोजगार व स्वावलंबन को लेकर किए गए योगदान के चलते सम्मानित करेंगे। गांव बवानिया में रहने वाली महिला बनारसी देवी के स्वयं सहायता समूह की महिलाओं की ओर से तैयार किए बाजरे के लड्डू की मिठास जापान तक पहुंच चुकी है। विश्व में वर्ष 2023 को मोटे अनाज वर्ष के रूप में मनाया था। जिसमें संगठन से जुड़ी 16 महिलाओं ने दो माह के दौरान 50 क्विंटल से अधिक लड्डू तैयार कर करीब 10 लाख रुपये की आय भी प्राप्त की थी। बनारसी देवी ने बताया कि महिलाओं की ओर से तैयार उत्पादों की गुणवत्ता लोगों को इतनी भा रही है कि जहां स्टॉल लगते हैं, वहीं से ऑर्डर भी बुक हो रहे हैं।

गांव बवानिया की बनारसी देवी ने वर्ष 2001 में मोटे अनाज से खाद्य सामग्री बनाने का काम शुरू किया था, जो अब देशभर में उसकी पहचान बन गया है। इनके द्वारा बनाए महिला स्वयं सहायता समूह से वर्तमान में 300 महिलाएं जुड़ चुकी हैं। इस संगठन को एक एकड़ में दो करोड़ रुपये लागत से एक प्रोजेक्ट की मंजूरी मिल चुकी है। इस प्रोजेक्ट से उत्पादन शुरू कर दिया जाएगा। पिछले वर्ष फरवरी माह में जापान से पहुंचा महिलाओं का प्रतिनिधिमंडल भी उत्पादों के स्वाद चख चुका है। स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने जापान के इस प्रतिनिधि मंडल को बाजरे से बने लड्डू, नमकीन, मटर, बिस्कुट के पैकेट भेंट किए थे।

मंडलाना की बेटी पेंटिंग के लिए सीएम के हाथों होगी पुरस्कृत : नारनौल। मंडलाना गांव की माटी में पली–बढ़ी एवं सरकारी स्कूल की 8वीं कक्षा की छात्रा नैन्सी पुत्री संदीप को सीएम नायब सैनी के हाथों सम्मानित होने का गौरव प्राप्त हुआ है। नैन्सी को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर मुख्यमंत्री पंचकुला में होने वाले भव्य समारोह में पुरस्कृत करेंगे। यह पुरस्कार उन्हें इक्को फ्रेंडली पेंटिंग बनाने की एवज में मिलेगा।

बता दें कि नैन्सी नारनौल खंड के गांव मंडलाना की रहने वाली है और वह गांव के ही राजकीय कन्या माध्यमिक विद्यालय की आठवीं कक्षा की छात्रा है। वह पिछले तीन सालों से पेंटिंग में हाथ आजमा रही हैं। पेंटिंग बनाने की प्रेरणा उन्हें स्कूल की ही टीचर मोनिका शर्मा से मिली। मोनिका शर्मा ने भी उसके हुनर को देखते हुए उसमें गहरी रुचि ली और उसे तरासने लगी।

इसी का परिणाम रहा कि जब बाल भवन में गत नवंबर मास में बाल दिवस के उपलक्ष्य में जिला स्तरीय पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई, तब नैन्सी की पेंटिंग ने प्रथम स्थान पाया। इस प्रकार उनकी यह पेंटिंग राज्य स्तर तक पहुंच गई और अब उन्हें मुख्यमंत्री के हाथों पुरस्कार मिलेगा।

बनारसी देवी

छात्रा नैन्सी

नारनौल। बनाई गई इक्को फ्रेंडली पेंटिंग।

पंचकूला में होगा प्रदेशस्तरीय समारोह

देशभर में लगातार बढ़ रही उत्पादों की मांग

स्वयं सहायता समूह से जुड़ी इन महिलाओं के उत्पादों की मांग देशभर में है। दिल्ली, मुंबई, गुजरात, गोवा, चंडीगढ़, रोहतक और गुरुग्राम सहित देश के बड़े शहरों में बाजरे के लड्डू व नमकीन की बड़ी मांग है। यह समूह देशभर में 50 से अधिक बड़े स्तर के मेलों, प्रदर्शनी, पशु प्रदर्शनी, कृषि मेलों में कृषि विज्ञान केंद्र महेंद्रगढ़ जिला बागवानी विभाग, कृषि विभाग, नाबार्ड की मदद से स्टॉल लगा चुकी हैं। देशभर में लगाए गए इनके स्टॉलों के माध्यम से बुकिंग कर उत्पादन पहुंचाए जाते हैं। इसके लिए संगठन को एडवांस में कुछ राशि भी मिल जाती है। तय समय में उत्पाद तैयार कर भेजे जाते हैं।

बनारसी ने किया 300 महिलाओं को कामयाब

गांव बवानिया की 50 वर्षीय बनारसी देवी ने अनपढ़ होने के बावजूद भी वर्ष 2001 में संघर्ष शुरू कर दिया था। इसके बाद कृषि विज्ञान केंद्र, बागवानी विभाग, कृषि विभाग से समय समय पर प्रशिक्षण लेकर स्थानीय अनाज, सब्जी व फलों से खाद्य सामग्री बनानी शुरू कर दी। संगठन की ओर से स्थानीय स्तर पर उपलब्ध अनाज, फल व सब्जियों के 15 प्रकार के अचारए मुरब्बा, जैम, चटनी, सॉस, आंवले का मुरब्बा सहित अन्य उत्पाद बनाने शुरू किए गए। दो माह पूर्व बाजरे के लड्डू, नमकीन व मटर बनाने शुरू किए थे, जिनकी मांग तेजी से बढ़ रही है। संगठन की बनारसी देवी, माया देवी, कृष्णा, कविता, सुषमा, सविता, मंजू, भगवंती, सुमन, रेखा, विमला, चलती, राजबाला, मंजू कुमारी, सरोज, माया ने बताया कि संसाधनों के अभाव में मांग के अनुसार उत्पाद तैयार नहीं कर पातीं। इसके लिए दिन रात मेहनत करती हैं। प्रोजेक्ट को मंजूरी मिल चुकी है। गांव में ही एक एकड़ में यह प्रोजेक्ट बनेगा। प्रोजेक्ट में उपकरण, मशीन सहित जरूरत का सभी सामान उपलब्ध हो सकेगा, तो तेजी से कारोबार भी बढ़ेगा।

कुछ ऐसा कहती है पेंटिंग

नैन्सी द्वारा बनाई गई पेंटिंग इक्को फ्रेंडली है। पेंटिंग में एक लड़की पानी के अंदर अपना छाया चित्र देख रही है, तब उसे पानी के अंदर खूब सारी हरियाली एवं सुंदर वातावरण दिखाई देता है, जबकि धरती के ऊपर धुआं छोड़ते वाहन एवं इंडस्ट्री की वजह से हर तरफ प्रदूषण एवं विकृत पर्यावरण दिखाई देता है। जो लोगों को पर्यावरण के प्रति चिंतन करने को मजबूर करती है।

यह बोले माता-पिता

नैन्सी की माता गृहिणी है, जबकि पिता संदीप कुमार स्नातक होने के बावजूद मजदूरी करते हैं। उनको एक बेटा एवं एक बेटी है। बेटी की रुचि पेंटिंग में है और वह अपनी टीचर की देखरेख में तरह-तरह की पेंटिंग बनाती रहती है। स्वयं नैन्सी ने बताया कि वह सीएम के हाथों सम्मानित होने का समाचार पाकर बहुत ही खुश है तथा पापा के साथ रोडवेज बस से पंचकूला जा रही हैं।

विवि की टॉप-10 सूची में एमएससी जूलॉजी के दो विद्यार्थियों का कब्जा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर रेवाड़ी की ओर से एमएससी जूलॉजी के तीसरे सेमेस्टर का परीक्षा परिणाम घोषित किया गया, जिसमें यदुवंशी डिग्री कॉलेज के दो विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय की टॉप-10 सूची पर कब्जा किया। इस टॉप-10 सूची में रितिका पुत्री शेर सिंह ने 8.85 एएसजीपीए लेकर पूरे विश्वविद्यालय में तीसरा स्थान, मोनिका पुत्री अजयपाल ने 8.73 एएसजीपीए लेकर पांचवा स्थान हासिल करके न केवल अपना नाम रोशन किया, बल्कि अपने माता-पिता के साथ यदुवंशी कॉलेज का नाम भी रोशन किया। संस्था चेयरमैन एवं पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह ने दोनों विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा मोनिका ने अपने अध्ययन में अनुशासन और लग्न को प्राथमिकता देते हुए इस परीक्षा परिणाम ने शानदार प्रदर्शन किया। यह सफलता विश्वविद्यालय में अन्य छात्रों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बनी है। संस्था ग्रुप डायरेक्टर विजय सिंह यादव ने कहा कि यदि कोई व्यक्ति अपने लक्ष्य के प्रति ईमानदारी और मेहनत से काम करता है, तो उसे सफलता जरूर मिलती है। रितिका और मोनिका ने न केवल अपना अपने परिवार का मान बढ़ाया है, बल्कि अपने यदुवंशी कॉलेज के साथ अपने जूलॉजी विभाग का भी नाम रोशन किया है।

इस अवसर पर वाइस चेयरमैन एडवोकेट कर्ण सिंह यादव, चेयरपर्सन संगीता यादव, फाउंडर डायरेक्टर राजेंद्र यादव, डॉ. प्रदीप यादव, कॉलेज प्राचार्य बबरुभान ने भी सभी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए इन विद्यार्थियों की सफलता पर गर्व महसूस किया।

महेंद्रगढ़। सफलता प्राप्त करने वाले विद्यार्थी।

महिला कबड्डी मुकाबले में आरपीएस डिग्री कॉलेज बना विजेता

आरपीएस कॉलेज बलाना में इंटर कॉलेज दो दिवसीय महिला-पुरुष टूनार्मेंट का हुआ भव्य आगाज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

आरपीएस कॉलेज बलाना में दो दिवसीय वार्षिक टूर्नामेंट का आगाज शुक्रवार को बड़े ही धूमधाम से हुआ। जिसमें मुख्यातिथि मिस मीनू छत्रवाल, भारतीय खो-खो टीम खिलाड़ी चैंपियन वर्ल्डकप-2025 व संस्था चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव, विशिष्ट अतिथि संस्था सीईओ इंजि. मनीष राव, कॉलेज डॉयरेक्टर डॉ. महेश यादव व रजिस्ट्रार डॉ. देवेन्द्र यादव, विशेष अतिथि प्रिंसिपल डॉ. देवेन्द्र कादयान, डीन डॉ. हेमंत कुमार रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष द्वीप प्रज्वलित व अतिथि स्वागत गान से हुआ। सभी टीमों ने मार्च पास्ट व ध्वजारोहन कर शपथ दिलाई। कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. देवेन्द्र कादयान ने बताया हर वर्ष की तरह कॉलेज में वार्षिक स्पर्धा-2025 महिला व पुरुष दो दिवसीय टूनार्मेंट का शुभारंभ हुआ, जिसमें महिला, पुरुष रेस 100 मी., 200 मी., 400 मी., 800 मी., 1500 मी., रिले रेस, लोंग जैम्प, हाई जैम्प, जेवलिंग थ्रो, डिसक्स थ्रो, शॉट-पुट, वालीबॉल, बास्केट बॉल, कबड्डी, बेट मिंटन, टेबल टेनिस होंगे। महिला कबड्डी का मुकाबला आरपीएस डिग्री कॉलेज व आरपीएस इंजि. कॉलेज के बीच हुआ, जिसमें डिग्री कॉलेज विजेता रही। इसमें तनू दलाल को बेस्ट प्लेयर अवॉर्ड दिया गया। पुरुष कबड्डी मुकाबले बड़ा रोचक रहा जिसमें आरपीएर्स डिग्री कॉलेज विजेता रहा।

मुख्यातिथि मीनू छात्रवाल ने कहा कि खेल विद्यार्थी जीवन में बहुत जरुरी है। स्वास्थ्य के साथ बौद्धिक विकास होता है। वर्तमान में सरकार ने खिलाड़ियों का भविष्य सुरक्षित करने के लिए विभिन्न योजनाएं चलाई हुई है। जिनका विद्यार्थियों को खेल में रुचि लेकर विशेष लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने आरपीएस कॉलेज की खेल व्यवस्थाओं व सभी अनुभवी प्रशिक्षकों की प्रसंशा की। कॉलेज चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव ने कहा कि विभिन्न प्रकार की बीमारियों से बचने व आरोग्य रहने के लिए प्रत्येक विद्यार्थी खेलों से जुड़े। कॉलेज डॉयरेक्टर डॉ. महेश यादव ने सभी अतिथियों का स्वागत किया तथा बताया कॉलेज प्रबंधन समिति प्रत्येक विद्यार्थी को उसके लक्ष्य तक पहुंचाने के दृढ़ संकल्पित है। हरी-भरी वादियों में सुंदर खेल ग्राउंड व अनुभवी कोच देकर खिलाड़ियों को उच्च पायदान पर रखना हमारा मुख्य उद्देश्य है।

महेंद्रगढ़। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथि व अन्य। फोटो : हरिभूमि

इनकी रही विशेष भूमिका

टूनार्मेंट में निर्णायक की भूमिका सज्जन सिंह कोच, विक्रम गौतम ने निभाई। टूनार्मेंट को बेहतर ढंग से चलाने के लिए उमेद सिंह, सुनील ढिल्लो, धीरज कोच, विक्रम सिंह, रमेश शर्मा, नवीन पिलानियाँ प मंजू विशेष भूमिका निभाई।

नारी वह शक्ति है, जो समाज को देती है दिशा: डा. राजवती यादव

नारनौल। कार्यक्रम के दौरान महिलाएं।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिला कांग्रेस की जिला अध्यक्ष डा. राजवती यादव ने स्लम एरिया टैलेंट संस्था की ओर से आयोजित विशेष कार्यक्रम में महिलाओं में कहा कि नारी शक्ति, वह शक्ति है जो समाज को दिशा देती है, बदलाव लाती है और देश की तरक्की में अहम भूमिका निभाती है। नारी केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि संपूर्ण सृष्टि की जननी है। मां, बहन, बेटी और पत्नी के रूप में वह हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा है, लेकिन यह दुख की बात है कि समाज में आज भी कई जगहों पर महिलाओं को उनके अधिकारों से वंचित किया जाता है।

उन्होंने कहा कि समाज में महिलाओं को आज भी शिक्षा की कमी, आर्थिक असमानता, घरेलू हिंसा और असुरक्षा जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। इन समस्याओं का समाधान तभी संभव है, जब समाज के हर वर्ग से लोग महिला सशक्तिकरण के लिए आगे आए और महिलाओं को उनके अधिकार दिलाने के लिए संकल्प लें। डा. राजवती यादव ने सभी से अपील की कि महिला सशक्तिकरण केवल एक दिन का मुद्दा नहीं है, बल्कि यह एक निरंतर प्रयास की मांग करता है। इस मौके पर संदीप राव, मंजूबाला, माया देवी, चित्रा, हनी गुप्ता, सुरेश फौजी आदि मौजूद थे।

निवाजनगर में कार्यक्रम आयोजित

भाजपा राज में महिलाओं को मिल रहा सम्मान : भारती सैनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष में भाजपा महिला मोर्चा ने शुक्रवार नारनौल विधानसभा के हुडिना मंडल के गांव निवाजनगर में कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम महिला मोर्चा भाजपा प्रदेश अध्यक्ष उषा प्रियदर्शी के आह्वान पर जिला अध्यक्ष भारती सैनी की अध्यक्षता में हुआ। इस कार्यक्रम का संयोजन जिला उपाध्यक्ष माया सैनी, सुमन यादव, जिला सचिव रविना सोनी व कुसुम निर्मल, मंडल अध्यक्ष प्रीति सैनी व मीडिया प्रभारी सुनीता शर्मा ने किया।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा जनधन योजना, मुद्रा योजना, स्टार्टअप इंडिया योजना, स्टैंड अप इंडिया योजना व सेल्फ हेल्प ग्रुप की बहनों को सम्मानित किया गया। इस दौरान जिला अध्यक्ष भारती सैनी ने अंग दान की आवश्यकता को समझाते हुए अंगदान करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में हरियाणा 50 फीसदी महिलाओं के लिए पंचायतों में भागीदारी सुनिश्चित करने वाला पहला राज्य है। महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही है। चाहे खेल से लेकर विज्ञान या राजनीति हो। हरियाणा की महिलाओं ने पूरी दुनिया में नाम कमाया है। पहली महिला उपराज्यपाल चंद्रावती, पहली विधानसभा स्पीकर शन्नो देवी, अंतरिक्ष यात्री कल्पना चावला, साक्षी मलिक, गीता फौगाट, मानुषी चिल्लर समेत पहली महिला पायलट भी कविता बैनीवाल हरियाणा से ही है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 22 जनवरी 2015 को बेटियों को बचाने का संकल्प लिया। सरकारी अधिकारियों से लेकर एनजीओ और हर वर्ग ने इसमें सहयोग किया। साल 2015 में जो लिंगानुपात 871 था, लेकिन अब ये 900 पार हो गया है और भी बढ़ेगा। सरकार ने महिलाओं को न्याय दिलाने के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट, महिला थाना, दुर्गा शक्ति जैसे कदम उठाए।

नारनौल। गांव निवाजनगर में महिलाओं को भाजपा नीति से अवगत करवाती भारती सैनी। फोटो :हरिभूमि

हरियाणा 50 फीसदी महिलाओं के लिए पंचायतों में भागीदारी सुनिश्चित करने वाला पहला राज्य

महेंद्रगढ़। छात्रा प्रीति को सम्मानित करते चेयरमैन।

श्रीकृष्णा स्कूल सीहमा की छात्रा प्रीति ने सीए परीक्षा में पाई सफलता

महेंद्रगढ़। श्रीकृष्णा स्कूल सिहमा से छात्रा प्रीति ने इंस्टीट्यूट आफ कॉस्ट अकाउंटेंट आफ इंडिया द्वारा आयोजित फाउंडेशन कोर्स की परीक्षा में सफलता अर्जित कर विद्यालय व क्षेत्र का नाम रोशन किया है। प्राचार्य डॉ. एसएस यादव ने बताया कि स्कूल की छात्रा प्रीति ने इंस्टीट्यूट आफ कॉस्ट अकाउंटेंट आफ इंडिया द्वारा आयोजित फाउंडेशन कोर्स की परीक्षा में सफलता प्राप्त की है। जो एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। उन्होंने बताया कि यह कोर्स कम से कम तीन वर्ष का होता, जिसमें तीन चरण होते हैं। पहला फाउंडेशन, दूसरा इंटरमीडिएट तथा तृतीय चरण फाइनल कहलाता है। चेयरमैन डा. बीरसिंह यादव ने कहा कि चार्टर्ड अकाउंट वाणिज्य जगत की प्रतिष्ठित परीक्षा होती है। जिसमें सफलता पाना बेहद चुनौतीपूर्ण कार्य होता है, लेकिन श्रीकृष्णा स्कूल की छात्रा ने यह अपनी अदम्य प्रतिभा तथा शिक्षक के सर्वश्रेष्ठ मार्गदर्शन में सफलता हासिल करके यह सिद्ध कर दिया है कि हर चुनौती को सहृश स्वीकार किया तो सफलता स्वयं आपके कदमों को चुमेगी। यही ही श्रीकृष्णा ग्रुप की परंपरा रही है तथा कॉमर्स संकाय पढ़ा रहे शिक्षकों को बधाई दी।

इंस्पायर अवॉर्ड योजना में सीएल स्कूल दो विद्यार्थी चयनित

नारनौल। भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की ओर से जिले स्तर पर आयोजित प्रतियोगिता राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान के अंतर्गत इंस्पायर मानक अवार्ड में सीएल पब्लिक स्कूल के दो विद्यार्थियों नौवीं कक्षा के तनिष्क पुत्र विनोद सैनी व 10वीं कक्षा की वैष्णवी बंसल पुत्री उमेश बंसल ने सफलता प्राप्त कर जिलेभर में परचम लहराया। जिन्हें पुरस्कार स्वरूप प्रमाण पत्र व 10 हजार रुपये नकद राशि प्राप्त हुई। विद्यार्थियों की इस सफलता पर प्रबंधक निदेशक अमित गुप्ता ने बताया कि वे विद्यालय में बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए उन्हें समय समय पर होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों व जिला, राज्य तथा राष्ट्रीय स्तर पर होने वाली प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करते रहते हैं। जिससे उनका चारित्रिक एवं बौद्धिक विकास होता है। अंत में प्राचार्य रविन्द्र सिंह ने सफल विद्यार्थियों व उनके माता पिता को बधाई दी।

छात्र तनिष्क

छात्रा वैष्णवी

कार्यक्रम | बागवानी पर जिलास्तरीय सेमिनार का आयोजन

सरकार किसानों की आय बढ़ाने के लिए विभिन्न स्कीमों को लाभार्थियों तक पहुंचाने के लिए प्रयासरत: एसडीएम

बागवानी की स्कीमों के लिए मेरी फसल मेरा ब्योरा पोर्टल पर पंजीकरण करवाना जरूरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

हरियाणा सरकार बागवानी से किसानों की आय बढ़ाने के लिए विभिन्न स्कीमों को लाभार्थियों तक पहुंचाने के लिए प्रयासरत है। यह बात नांगल चौधरी एसडीएम मनोज कुमार ने शुक्रवार को गांव सैदअलीपुर में बागवानी विभाग की ओर से आयोजित जिला स्तरीय सेमिनार में कही। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से समय समय पर इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित करने का मुख्य उद्देश्य यही है कि किसान अधिक से अधिक बागवानी फसलों के नवीनतम तकनीक ज्ञान से अवगत हो सके। बागवानी को अपनाकर अपनी आय में भी मुनाफा कर सकते हैं। बागवानी विभाग की स्कीमों का लाभ लेने के लिए सर्वप्रथम किसानों को मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर पंजीकरण करवाना अनिवार्य है। इसके बाद विभाग से संपर्क कर विभिन्न स्कीमों का लाभ ले सकते हैं।

किसान इस क्षेत्र में बेरए खजूर तथा अनार जैसे शुष्क मौसम के फल लगा सकते हैं। संरक्षित आकृति जैसे नेट हाउस, मल्चिंग व टनल के अंदर सब्जी की काश्त आधुनिक तरीके से जैसे टपका सिंचाई प्रणाली के माध्यम से किसान अपनी आय में मुनाफा कर सकता है। किसानों की ओर से लगाई गई। जिला उद्यान अधिकारी डा. प्रेम कुमार ने किसानों को कहा कि जलवायु के अनुसार यहां पर सब्जी व मसाले की खेती व उनके बीज उत्पादन आसानी से किया जा सकता है। बागवानी विभाग 15 हजार रुपये प्रति एकड़ के हिसाब से अनुदान दे रहा है। स्कीमों का लाभ लेने के लिए सर्वप्रथम मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर पंजीकरण करवाकर किसान बागवानी विभाग के पोर्टल एचओआरटी नेट डॉट जीओवी डाट इन पर पंजीकरण करवा कर मद का चुनाव करके जरूरी दस्तावेज अपलोड करने के बाद ही स्कीम का लाभ लेने का योग्य होगा।

नारनौल। किसानों की ओर से लगाई गई स्टॉल का अवलोकन करते एसडीएम मनोज कुमार। फोटो : हरिभूमि

मसाले उत्पादन में चार हेक्टेयर का लाभ लें

उन्होंने बताया कि एक किसान अधिकतम सब्जी उत्पादन में दो हेक्टेयर, सब्जी बीज उत्पादन में पांच हेक्टेयर व मसाले उत्पादन में चार हेक्टेयर का लाभ ले सकता है। सब्जी उत्पादन के लिए साथ में समन्वित मद बंबू स्टेकिंग, मल्चिंग, टनल या मिनी, ड्रिप सिस्टम के साथ सब्जी लगाना अनिवार्य है तथा बीज उत्पादन मध्य के लिए कंपनी एवं किसानों के बीच एग्रीमेंट होना अनिवार्य है। इस मौके पर एकीकृत बागवानी विकास केंद्र सुंदरह से मुकेश शिवरान, कृषि विज्ञान केंद्र बावल से डा. नरेंद्र कुमार, कृषि विभाग नारनौल से एसडीओ डा. मनमीत फील्ड स्टाफ व सरपंच आदि व्यक्ति मौजूद थे।

खबर संक्षेप

आज रवाना होगी बाबा की निशान यात्रा

महेंद्रगढ़। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्री श्याम सेवक मंडल की ओर से जेतपुर धाम के लिए ध्वजा यात्रा निकाली जाएगी। शनिवार को प्रातः आठ बजे श्री रामलीला परिषद् से चलकर जेतपुर धाम के लिए रवाना होगी। श्याम भक्त सुनील कुमार गर्ग ने बताया कि जो भी भक्त जेतपुर जाना चाहते हैं, वह शनिवार को 7:30 बजे श्री रामलीला परिषद् में पहुंचे।

स्टेट हाईवे में बने कट से हो रहे हादसे

कनीना। प्रदेश सरकार की ओर से पिछले दिनों घोषित किए गए राज्य मार्ग कनीना दादरी सड़क पर हैफेड गोदाम के समीप पाइप लाइन डालने के लिए बनाए गए कट से लगातार दुर्घटनाएं हो रही है, लेकिन लोक निर्माण विभाग के अधिकारी गहरी नींद सोए हुए हैं और उनको किसी बड़े हादसे का इंतजार है। काबिले गौर है कि इस कट से कुछ दूरी पर ही कुछ समय पूर्व एक बस हादसा हुआ था। जिसमें छह बच्चों की जान गई थी। यहां पर दो बाइक चालक भी गिर गए थे। जिनको एंबुलेंस की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया। यह कट मुख्य मार्ग के बीचों बीच है। जहां तेज गति से साधन आते हैं और अचानक गहरे गड्ढे में चले जाते हैं।

ठाकुर जी का मेला 14 को मिर्जापुर-बाछौद में

मंडी अटेली। धुलंडी के मौके पर ठाकुर जी महाराज का मेला 14 मार्च को गांव के मंदिर मिर्जापुर-बाछौद परिसर में भरेगा। मेले में विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं होंगी। जानकारी देते हुए ट्रस्ट के सचिव सरपंच लक्ष्मीनारायण ने बताया कि बाबा की महिमा का गुणगान व पुजारी पंडित नितिन तिवाड़ी प्रसाद वितरित करेंगे। मेले में वॉलीबॉल शूटिंग व कबड्डी में प्रथम आने वाली टीम को 7100 व द्वितीय को 6100 रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा। कुश्ती 51 रुपये से लेकर 7100 रुपये तक की करवाई जाएगी।

मरीज मेडिकल स्टोर पर महंगे इंजेक्शन खरीदने को मजबूर, बीपीएल परिवारों को फ्री

खास बातें

- नागरिक अस्पताल में नहीं है एंटी रेबीज के इंजेक्शन, मरीजों को उठानी पड़ रही परेशानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। नागरिक अस्पताल का भवन। *फोटो : हरिभूमि*

शहर के नागरिक अस्पताल में एंटी रेबीज के इंजेक्शन खत्म होने से मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में अस्पताल में आने वाले मरीजों को निजी अस्पताल या बाहर से इंजेक्शन खरीदकर लगवाना पड़ रहा है। नागरिक अस्पताल में हर रोज 40-50 से ज्यादा कुत्ते व बंदर के काटने के पीड़ित पहुंचते हैं। इंजेक्शन खत्म होने से उनको परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। मरीजों को निजी अस्पताल या फिर बाहर से मेडिकल स्टोर से खरीदकर इंजेक्शन लगवाना पड़ रहा है। बाहर से इंजेक्शन खरीदकर लगवाते हैं तो उनको 350 रुपये खर्च करने पड़ रहे हैं। हालांकि अस्पताल की ओर से टीके की डिमांड भेजी हुई है, लेकिन अभी सप्लाई नहीं मिली है। अस्पताल में जल्द टीके खत्म होने का भी एक कारण हैं। इस बार दो हजार टीके आए थे, लेकिन नांगल सिरोही, सतनाली, पाली, मालड़ा बास व सेहलंग के सरकारी अस्पताल में एंटी रेबीज के इंजेक्शन नहीं होने की वजह से इन अस्पताल के मरीज भी महेंद्रगढ़ नागरिक अस्पताल में अपना उपचार करवाते हैं।

बीपीएल को निःशुल्क, बाकियों को देने पड़ते हैं 100 रुपये

सरकारी अस्पतालों में एंटी रेबीज इंजेक्शन बीपीएल कार्ड धारक को निःशुल्क लगता है और बाकी लोगों को 100 रुपये देने पड़ते हैं। अब इंजेक्शन खत्म होने से बीपीएल कार्ड धारकों को भी 350 रुपये में खरीदकर इंजेक्शन लगवाना पड़ रहा है। ऐसे में उनको आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ रहा है। कई बार लोगों की ओर से इंजेक्शन खत्म होने का मुद्दा उठाया जा चुका है, लेकिन समाधान नहीं हुआ है।

गर्मी के मौसम में अधिक काटते हैं कुत्तेः

चिकित्सकों के अनुसार बहुत ज्यादा गर्मी में कुत्तों का व्यवहार बदल जाता है। विपरीत मौसम में वह चिड़चिड़े हो जाते हैं। कुत्तों में स्किन इंफेक्शन भी हो जाता है, यही कारण है कि कुत्ते के काटने के केस बदलते मौसम में बढ़ जाते हैं। मौसम बदलने की वजह से कुत्ते खतरनाक हो जाते हैं। इसलिए कुत्तों के काटने केस भी काफी बढ़ जाते हैं। चिकित्सकों के अनुसार कुत्ते के काटने पर पहले तीन, सात और 29 दिन में चार इंजेक्शन लगाए जाते हैं। उन्होंने कहा कि यह चार इंजेक्शन उस स्थिति में लगाए जाते हैं।

शहर में बंदरों व कुत्तों का आंतक

शहर में आवारा कुत्तों व बंदरों का आतंक है। रोजाना 10 से 15 लोग कुत्ते व बंदरों के काटने पर नागरिक अस्पताल में पहुंच रहे हैं। लेकिन नगर पालिका द्वारा शहर में आवारा कुत्तों व बंदरों को पकड़ने की कोई योजना तैयार नहीं की गई हैं। नगर पालिका में रोजाना लोग बंदर व कुत्तों को पकड़ने की शिकायत लेकर जा रहे हैं। इसके बावजूद भी नगर पालिका द्वारा कोई योजना तैयार नहीं की गई हैं। शहर में बंदरों व आवारा कुत्तों का सबसे ज्यादा आतंक मौहल्ला सैनीपुरा, नीमड़ी नीचे, मौहल्ला खटीकान, कोकाबंगड़ी, नहर कॉलोनी, रेलवे रोड, करेलिया बाजार, माता मसानी चौक सहित ग्रामीण क्षेत्रों में भी कुत्तों व बंदरों का उत्पात है। आवारा कुत्तों से परेशान होकर शहर के लोग कई बार नगर पालिका के अधिकारियों से भी शिकायत कर चुके हैं, लेकिन कोई योजना तैयार नहीं की गई हैं।

सरस्वती स्कूल के तनुज ने भारतीय मानचित्र पर राज्य व राजधानी का किया उल्लेख

मानचित्र पर राज्य और राजधानी को 1.29 मिनट में दर्शाकर बनाया रिकॉर्ड

स्कूल प्रबंधन कमेटी ने अद्भुत मेधावी छात्र के इस प्रदर्शन पर किया सम्मानित।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नांगल चौधरी

नांगल चौधरी। भारतीय मानचित्र के साथ मेधावी बच्चा तनुज कुमार।

प्रतिभा किसी सुविधा या संसाधनों की मोहताज नहीं होती, क्योंकि दृढ़ निश्चय और निरंतर प्रयास करने वाले युवाओं को सफलता मिलना सुनिश्चित होता है। यह साबित करके दिखाया है सरस्वती विद्या मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल के सात वर्षीय छात्र तनुज ने। जिन्होंने एक मिनट 29 सेकेंड में भारतीय मानचित्र पर राज्य और राजधानी को नाम वाइज चिन्हित करके रिकार्ड बनाया है। मेधावी बच्चे को स्कूल की प्राचार्या वंदना यादव व एमडी अमित यादव ने स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया है।

आपको बता दें कि बूढ़वाल निवासी शिवचरण के एक बेटा तनुज और एक बेटी है। बड़ी बेटी भी सरस्वती स्कूल में चौथी कक्षा की छात्रा है तथा तनुज कुमार ने दूसरी कक्षा की परीक्षा दी है। तनुज कुमार शुरू से जिज्ञासू प्रवृति का छात्र है जो कक्षा में अध्यापक से सवाल जबाब करने में आगे रहता है।

भारतीय इतिहास और हड़प्पा संस्कृति से विशेष लगाव होने के कारण खाली पीरियड में इतिहास की शिक्षिका के पास ज्ञानोवर्धन करता है। बीते दिनों स्कूल में भारतीय मानचित्र पर राज्यों के नाम तथा राजधानी को चिन्हित करने की प्रतियोगिता हुई थी। जिस में दूसरी कक्षा के छात्र ने एक मिनट 29 सेकेंड में सभी राज्यों व राजधानी को मैप में नाम वाइज अंकित किया है। साथ ही उन्होंने केंद्र शासित राज्यों का भी मानचित्र में उल्लेख करके अद्भुत प्रतिभा का प्रदर्शन किया है। तनुज कुमार ने सफलता का श्रेय शिक्षिका किरण कुमारी को दिया है, कहा कि मानचित्र का अवलोकन कराते हुए पढ़ाने से स्मरण शक्ति बढ़ी है। उन्होंने बताया कि मानचित्र के अध्यन से पूरे देश की भूगौलिक स्थिति की जानकारी मिलती है साथ ही स्वदेशी संस्कृति से लगाव बढ़ता है। मेधावी बच्चे को सम्मानित करने के लिए स्कूल में समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चे को नकद पुरस्कार के साथ प्रशंसा पत्र दिया गया है। कार्यक्रम में डीपीई बिक्रम सिंह, एचओडी संदीप कुमार, धीरज कुमार, यादराम, दुर्गा प्रसाद, विनोद कुमारी आदि मौजूद थे।

तनुज कुमार

आइएएस बनने का संजोया सपना

प्रतिभाशाली बच्चे तनुज कुमार ने बताया कि भारतीय इतिहास तथा भूगौलिक स्थिति रोचक है। प्रत्येक राज्य की संस्कृति से एजुटता का संदेश मिलता है साथ ही राष्ट्र भावना समावेशित होती है। आईएएस बनकर समाज में भ्रष्टाचार और कुरीतियों को मिटाना प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि भारतीय मनचित्र के अध्यन से पूरे देश की संस्कृति, विभिन्न फसलों व अन्य जानकारी उपलब होती है।

डिजिटल बोर्ड के प्रबंध से प्रेक्टिस की

स्कूल के प्रबंधक निदेशक अमित यादव ने बताया कि तनुज में किताबी पढ़ाई के साथ सामान्य नॉलेज के विषय पढ़ने की ललक है। प्रत्येक कक्षा में डिजिटल बोर्ड का प्रबंध किया गया है। जिसकी मदद से बच्चे भारतीय मानचित्र व अन्य ज्ञानोवर्धक विषयों का अध्यन करते हैं। तनुज कुमार की सफलता से अन्य बच्चों को भी प्रतिभा निखारने की प्रेरणा मिलेगी। उन्होंने बताया कक्षाओं में भारतीय इतिहास व सामान्य नॉलेज की विशेष कक्षाएं लगाई जाती हैं।

गांव में खेत में काम करते समय दो किसानों की मौत

- पुलिस ने दोनों मृतक के बेटे के बयान पर नागरिक अस्पताल में पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

क्षेत्र के अलग-अलग गांवों में खेत में काम करते समय दो किसान की अचानक मौत हो गई। पुलिस ने दोनों मृतक के बेटे के बयान पर नागरिक अस्पताल में पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया हैं।

केस-1: गांव जड़वा निवासी एक किसान की अचानक मौत हो गई। मृतक किसान के दो बच्चे हैं। मृतक किसान अपने खेत में पड़ा हुआ था। पुलिस ने मृतक किसान का नागरिक अस्पताल में पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया है। मृतक किसान के बेटे मोहित ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि वह गांव जड़वा का निवासी है और आईटीआई की पढ़ाई कर रहा है। उन्होंने बताया कि हम दो भाई-बहन हैं। वह सबसे बड़ा व छोटी बहन है। उसके पिता हंसराज जमींदारे का काम करता है। पिता हंसराज छह-सात मार्च की रात को खेत में पानी लगाने के लिए गया था, सुबह तक पिता घर पर नहीं आया तो उसने अपने खेत में जाकर देखा तो खेत की मेड के पास पिता पड़ा हुआ दिखाई दिया। बाद उसने पिता को हिलाया और आवाज लगाई तो पिता नहीं उठे।

इसके बाद उन्होंने अपने परिजनों को सूचना दी और साधन का इंतजाम करके सरकारी अस्पताल महेंद्रगढ़ लेकर आए, जहां पर चिकित्सकों ने पिता को चेक करके मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि उसके पिता की मौत बारे परिवार के सभी व्यक्तियों से तसल्ली कर की है कि पिता हंसराज की मृत्यु अचानक हृदय गति रूकने से हुई है।

केस-2: गांव कुरहावटा निवासी एक किसान की खेत में काम करते समय अचानक मौत हो गई। पुलिस ने मृतक किसान का नागरिक अस्पताल में पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया है। मृतक के पुत्र रविंद्र ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि वह गांव कुरहावटा का निवासी है।

उसके पिता सूबेसिंह को शाम लगभग 9:30 बजे हार्ट अटैक आया था। इसके बाद हम पिता को अस्पताल में लेकर गए, जहां चिकित्सकों ने बताया कि आपके पिता की मृत्यु हार्ट अटैक आने से हुई है। 9:30 बजे पिता खेत में काम करते हार्ट में दर्द हुआ।

शहर में तीन बड़े शोरूम में हुई चोरी केस दर्ज तक सिमटी पुलिस कार्रवाई

- होंडा शोरूम, क्रॉकरी शोरूम व रंगपेंट की बड़ी दुकान को एक ही नाम में बनाया निशाना
- नगर परिषद चेयरपर्सन कमलेश सैनी का है होंडा शोरूम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

होंडा शोरूम में जांच को जुटी पुलिस। *फोटो : हरिभूमि*

चोरी की वारदात में पुलिस कार्रवाई कागजों में सिमट कर रह गई है। हालात इन दिनों ऐसे है, नारनौल शहर ही नहीं जिला में शायद ही ऐसा कोई दिन जाता हो, जिस दिन चोरी की वारदात नहीं हो रही हो। वीरवार की रात भी शहर में तीन बड़े शोरूम में चोरी की वारदात हुई। शहर में सिंघाना रोड पर होंडा शोरूम, क्रॉकरी शोरूम व रंगपेंट की बड़ी दुकान में चोरों ने चोरी को अंजाम दिया। खास बात यह रही कि तीनों ही जगह शोरूम के पीछे से ताला तोड़ा गया। चोरों ने रंग पेंट की दुकान को भी अपना निशाना बनाया। चोरों ने वजीर पेंटर की दुकान से हजारों रुपये नकद के अलावा सामान चुरा ले गए।

होंडा शोरूम से दो लाख चुराए

होंडा शोरूम के मैनेजर ने बताया कि चोरों ने पीछे के दरवाजे का ताला तोड़कर चोरी को अंजाम दिया। उन्होंने बताया कि चोरों ने वर्कशाप के दरवाजे को भी तोड़कर उसमें एंट्री की। यहां से चोर वर्कशाप के गल्ले से हजारों रुपये चुरा ले गए। वहीं अन्य सामान भी उन्होंने चुरा लिया। इसके अलावा चोरों ने शोरूम के गल्ले से भी हजारों रुपये चुरा लिए।

सुरेन्द्र बने राहुल गांधी विचार मंच के प्रदेश अध्यक्ष

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

सुरेंद्र नंबरदार

नंबरदार सुरेन्द्र यादव फतेहपुर को राहुल गांधी विचार मंच के प्रदेश अध्यक्ष की कमान सौंपी गई है। यह उनके लिए एक नई जिम्मेदारी है, लेकिन उनके पास कांग्रेस पार्टी में प्रदेश स्तर के कई महत्वपूर्ण पदों पर काम करने का अनुभव है। वह लगभग 25 साल से कांग्रेस पार्टी के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं और पार्टी के बुरे समय में भी मजबूती से खड़े रहे हैं। नंबरदार सुरेन्द्र यादव मूल रूप से अटेली विधानसभा के फतेहपुर गांव के रहने वाले हैं और किसान परिवार से ताल्लुक रखते हैं। उन्होंने राजनीति के साथ साथ समाजसेवा में भी अपनी पहचान बनाई है और आज भी गांव में रहकर लोगों की सेवा में समर्पित हैं।

2024 में अटेली विधानसभा से कांग्रेस पार्टी की टिकट पर चुनाव लड़ने वालों में अग्रणी पक्ति में थे, लेकिन टिकट न मिलने पर भी पार्टी के कैंडिडेट के साथ दिनरात प्रचार किया था।

हरियाणा पब्लिक स्कूल में स्कूल में महिला सशक्तिकरण पर सेमिनार

- महिलाएं आज किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं, हर जगह नाम कर रही

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नारनौल। सेमिनार में मौजूद विद्यार्थी व स्कूल स्टाफ। *फोटो : हरिभूमि*

अंतर राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर नांगल चौधरी रोड स्थित हरियाणा पब्लिक स्कूल में महिला सशक्तिकरण विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान सैंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की सीनियर मैनेजर गायत्री शर्मा मुख्य अतिथि रही तथा अध्यक्षता विद्यालय एमडी निधि वर्मा ने की। गायत्री शर्मा ने विद्यार्थियों को बताया कि महिलाएं आज किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं।

आज जहां शिक्षा के क्षेत्र में छात्राएं, छात्रों से बाजी मार कर उनसे आगे निकल रही हैं। वहीं राजनीतिक, सामाजिक, स्पोर्ट्स व अन्य किसी भी मंच पर महिलाओं को समाज के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलते हुए देखा जा सकता है। विद्यालय एमडी निधि वर्मा ने मुख्य अतिथि को सम्मानित करते हुए कहा कि हर वर्ष महिला शक्ति को बढ़ावा देने के लिए आठ मार्च को अंतर राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है और अब समय के साथ धीरे धीरे महिलाएं जीवन के हर स्तर पर अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

12 मार्च को धूमधाम से मनेगा डॉ. अजय चौटाला का जन्मदिनः सिकंदर गहली

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

डा. अजय सिंह चौटाला।

जननायक जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. अजय सिंह चौटाला के जन्मदिन के उपलक्ष्य में 12 मार्च को प्रातः नौ बजे रेवाड़ी रोड स्थित सीएल फार्म हाउस में विशाल रक्तदान कैंप का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए माता सती वैलफेयर समिति के प्रधान सिकंदर गहली ने बताया कि वह हर वर्ष डा. अजय सिंह चौटाला का जन्मदिन प्रेरणा दिवस के रूप में मनाते आ रहे हैं और अबकी बार भी उनका जन्मदिन धूमधाम से मनाया जाएगा।

उन्होंने बताया कि इस बार 18वां रक्तदान शिविर आयोजित होगा, जिसमें सैकड़ों युवा स्वेच्छा से रक्तदान करेंगे। उनके 64वें जन्मदिन पर सीएल फार्म में 64 किलो का विशाल केक भी काटा जाएगा। रक्तदान शिविर जिला रेडक्रॉस के सहयोग से आयोजित होगा, जिसमें रक्तकोष के लिए स्वास्थ्य विभाग के ब्लड बैंक की नारनौल एवं रेवाड़ी की टीमों को आमंत्रित किया गया है।

जिला स्तरीय टास्क फोर्स ने 190 वाहन किए चेक

- अवैध पत्थर ढोते ट्रैक्टर-ट्रॉली पकड़ी, 2.15 लाख जुर्माना ठोका

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नारनौल। अवैध पत्थर ढोते पकड़ी गई ट्रैक्टर-ट्रॉली। *फोटो : हरिभूमि*

जिला प्रशासन की ओर से अवैध खनन व खनिज के अवैध तरीके से परिवहन को रोकने के लिए गठित जिला स्तरीय टास्क फोर्स लगातार प्रभावी कार्रवाई कर रही है। पिछले दो दिनों में टीम ने 190 वाहन चेक किए। इस दौरान एक ट्रैक्टर-ट्राली अवैध पत्थर ले जाते पकड़ा गया। जिला खनन इंजीनियर डा. राजेश कुमार ने बताया कि खनन विभाग, पुलिस विभाग, फॉरेस्ट विभाग व प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की संयुक्त टीम वीरवार रात को नांगल चौधरी क्षेत्र में गश्त पर थी। इस दौरान एक ट्रैक्टर-ट्रॉली पत्थर का अवैध परिवहन करते पकड़ी गई। पकड़े जाने पर ट्रैक्टर चालक कोई बिल नहीं दिखा पाया। ऐसे में नियम अनुसार इस पर 2.15 लाख रुपये जुर्माना लगाया गया। खनन विभाग के महानिदेशक केएम पाण्डुरंग के दिशानिर्देशन में अवैध खनन के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। यह लगातार भविष्य में भी इसी प्रकार जारी रहेगी। इस संबंध में समय-समय पर मीटिंग बुलाकर दिशानिर्देश दिए जा रहे हैं।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस आज, कार्यक्रम होगा आयोजित

मुखिया बन महिलाओं ने संतान को बनाया काबिल

- महिलाओं के प्रति आदर सम्मान, उनके अधिकारों, सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए मनाया जाता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

सरोज देवी

समाकौर

विश्वभर में आठ मार्च के दिन को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के रूप में सेलिब्रेट किया जाता है। इस दिवस को विशेष रूप से महिलाओं को समर्पित किया गया है। इस दिवस पर लोगों को महिलाओं के प्रति आदर सम्मान, उनके अधिकारों, उनकी उपलब्धियों को बताने के साथ ही लैंगिग समानता और महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए मनाया जाता है।

बच्चे को बनाया सब इंस्पेक्टर

नारनौल तहसील के गांव कादीपुरी की सरोज देवी ने संघर्ष करके अपने पुत्र कर्ण सिंह को यदुवंशी स्कूल में पढ़ाया। इसके बाद उन्होंने कर्ण सिंह को कॉलेज की पढ़ाई के साथ साथ दिल्ली कोचिंग के लिए भेजा। विधवा होने की स्थिति में सरोज देवी ने कभी हार नहीं मानी और 2022 में हरियाणा पुलिस की भर्ती के लिए आवेदन करवाकर अपने पिता के सपने को याद दिलाया। कर्ण सिंह ने कड़ी मेहनत करते हुए बिना सिफारिश के हरियाणा पुलिस में सब इंस्पेक्टर पद पर चयनित हुए और अपने पिता का सपना पूरा किया। एक विधवा महिला ने मेहनत के बल पर अपने पुत्र को इस मुकाम पर पहुंचाया है। कर्ण सिंह इस समय रेवाड़ी के बावल थाने में कार्यरत है। आर्थिक स्थिति से लड़ते हुए बच्चों को कामयाब बनाया, अब सभी बच्चे आनंद महूसस कर रहे है। इसके पीछे बच्चों की कड़ी मेहनत भी है। समाज में लड़कियों को बाहर पढ़ने भेजने पर काफी आलोचनाएं झेलनी पड़ी, अब प्रेरणादायक बनी।

सिलाई करके बच्चों को दिलाया सरकारी पद

नांगल चौधरी थाने के अंतर्गत ढाणी बाठोठा की समाकौर ने गांव में कपड़ों की सिलाई करके अपने तीनों बच्चों को सरकारी पद पर पहुंचाया है। आर्थिक स्थिति से झुझते हुए उन्होंने बच्चों को अच्छी पढ़ाई देते हुए कोचिंग भी करवाई। समाज में मिशाल देते हुए उन्होंने बेटे रविन्द्र यादव को चंडीगढ़ पुलिस में कांस्टेबल पद पर चयनित करवाया। इसी के साथ बड़ी बेटी पूनम यादव को हरियाणा में टीचर पद पर तथा छोटी बेटी सुमन यादव को दिल्ली पुलिस में कांस्टेबल पद पर चयनित करवाया। समाकौर ने

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर गांवों में होगा स्पेशल ग्राम सभाओं का आयोजन

- स्पेशल ग्राम सभाओं में स्वच्छता व जल के मुद्दों पर की जाएगी चर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

मनोज कुमार

जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज कुमार ने शुक्रवार को अपने कार्यालय में आठ मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जिले के गांवों में स्पेशल ग्राम सभाओं के आयोजन करने के संबंध में संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक की। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज कुमार ने कहा कि आठ मार्च को जिला के सभी गांव में स्पेशल ग्राम सभाओं का आयोजन कर स्वच्छता एवं जल के मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। उन्होंने बताया कि निदेशालय से प्राप्त दिशा निर्देशानुसार इसमें मुख्य रूप से जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, एचएसआरएलएम व पंचायती राज सदस्यों की मुख्य भुमिका रहेगी। खण्ड व ग्राम स्तर पर वाश (धुलाई जल, स्वच्छता व स्वच्छता) दौड़, अभिनन्दन समारोह, महिला के साथ सभा, महिला हितैषी ग्राम पंचायतों का चयन व प्रदर्शन, नुक्कड़ नाटक व सांस्कृतिक प्रदर्शन पैनल चर्चा व कहानी कहने का सत्र, प्रशिक्षण सत्र, स्वयं सहायता समूहों की ओर से मेले का आयोजन आदि गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। ग्राम पंचायतों की महिला सरपंच को सम्बन्धित खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी की ओर से प्रशस्ति प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा।